11/6/2015 , :DigitalEdition

NGT rules out construction on Ganga banks

PRESS TRUST OF INDIA

New Delhi, 5 November

The National Green Tribunal today virtually barred construction of buildings 200 metres along the banks of the Ganga in Uttarakhand till further orders to protect pollutants from being discharged into the river.

"We direct that no corporation, authority or panchayat shall grant permission for construction of building, houses, hotels or any structures within 200 metres of shore of river Ganga at the highest flood line without prior approval from the tribunal," a bench headed by NGT Chairperson Swatanter Kumar said.

The panel's direction came on a petition filed by advocate M C Mehta who has filed the petition for cleaning of Ganga and suggested that in Western countries rivers are protected from pollution by creating a buffer zone on the banks where no construction is allowed.

During the hearing, Mehta said that National Ganga River Basin Authority (NGRBA) could purchase land on the banks of river like National Highway Authority of India (NHAI) does to build roads.

He contended that rapid unregulated constructions were being carried out by simply taking clearances from village panchayats, which are not expert bodies.

Mehta said that due to unregulated constructions on the banks of river, pollutants were discharged in the river and the hills have become vulnerable to landslides and earthquake.

The bench today sought a report by tomorrow from Ministry of Water Resources, prepared by seven IITs on the shortcoming of Ganga Action Plan (GAP)-1 and Plan-2.

The tribunal had earlier said that evolving a 500 meter buffer zone on the banks of river Ganga like in Western countries could be okay in plain areas but had asked whether it could be feasible in the hilly terrain of Uttarakhand.

It was said that during GAP-1, a total of Rs 74.8 crore was spent on cleaning the river, while in GAP-2, Rs 153.73 crore was spent for cleaning from Gaumukh to Haridwar.

Counsel for Uttarakhand Pey Jal Nigam said all the schemes and plans under the GAP-2 project were successfully completed and implemented.

The bench then observed that even if the projects were completed as claimed, the situation of river Ganga has gone from bad to worse.

"The statement that all the schemes and plans under GAP-2 project were implemented sounds like a joke," the panel said.

The green panel was also informed by the Centre that around Rs 6,855 crore was spent together by the Centre and states for cleaning Ganga in 30 years from 1985 to 31 March this year.

The Uttarakhand Pollution Control Board told the bench that there are 413 industries in Sitkul at Haridwar and among them around 375 factories were connected to Central Effluent Treatment Plant (CETP) and the rest had their own treatment plants and septic tanks.

The NGT had on 29 October voiced concern over the execution of Clean Ganga project.













पहाड़ों की सर्द हवाओं से रातों में ठिदुरन बढ़ेगी

नई दिल्ली **हिन्दुस्तान टीम**

पहाड़ों पर बुधवार रात हुई बर्फबारी का असर गुरुवार को मैदानी इलाकों में देखा गया। सर्द हवाओं के साथ ही मैदानी इलाकों में हुई बारिश ने तापमान और गिरा दिया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इन इस सर्द हवाओं के चलते रातों में ठिठुरन जल्द शुरू हो जाएगी।

शनिवार से तापमान गिरेगा: मौसम एजेंसी स्काईमेट के मौसम वैज्ञानिक महेश पलावत के मुताबिक, कैस्पियन और ब्लैक सागर में बनने वाले पश्चिमी विक्षोभ के चलते 9-10 नवंबर तक कश्मीर में फिर बर्फबारी होगी। वहां से चलने वाली हवाओं से यूपी-दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश में रात का तापमान घटेगा। इन हवाओं का असर

मौसम की करवट

- पहाड़ों पर बर्फबारी के बाद मैदानी इलाकों में कई जगह हुई बारिश
- आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट दर्ज होगी, कोहरा दिखेगा

शनिवार से दिखना शुरू हो जाएगा।

15 नवंबर से कोहरा: 15 नवंबर के बाद कोहरे का प्रकोप शुरू हो सकता है। इसके चलते उत्तर भारत में अधिकतम तापमान 15 डिग्री पहुंच जाएगा। पश्चिमी विक्षोभ के चलते दिल्ली और उत्तराखंड में गुरुवार सुबह हल्की बारिश हुई है। अगले दो दिन में यह विक्षोभ पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में भी हल्की बूंदाबांदी करा सकता है।

रे सबसे सर्द दिवाली पेज 04

, :DigitalEdition

1 1

ſ

t



पिछले तीन दिन से हो रही बारिश के बाद गुरुवार को बेंगलूरु रिश्वत बेलंदूर झील ने एक बार फिर विश्वेले झाग उगलना शुरू कर दिया है। इस बार झाग की मात्रा बहुत अधिक होने से आसपास से गुजरने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

, :DigitalEdition

Ьú

जलग्रहण क्षेत्रों के विकास लिए समन्वय से करें काम: ढांड

रायपुर @ पत्रिका. मुख्य सचिव विवेक ढांड की अध्यक्षता में गुरुवार को मंत्रालय में राज्य जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन एजेंसी के शासी परिषद की दूसरी बैठक हुई। इसमें मुख्य सचिव ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जलग्रहण क्षेत्रों के बेहतर प्रबंधन के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन, जल संसाधन और आदिम जाति कल्याण विभाग के साथ समन्वय से काम करें। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि जलग्रहण क्षेत्रों के प्रबंधन और विकास के लिए 176 करोड़ 55 लाख रुपए के कार्य किए गए हैं। कार्यक्रम के तहत प्रदेश के सभी 27 जिलों में कुल 263 जलग्रहण क्षेत्र विकास परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

11/6/2015 , :DigitalEdition

बारिश से बढ़ी परेशानी, संक्रमण व बीमारी फैलने की आशंका

बंगलूरु. कभी गार्डन सिटी के रूप में मशहूर बेंगलूरु शहर आज कचरे से अटा पड़ा है। शहर का कोई कोना बाकी नहीं है, जहां कचरे के ढेर न लगे हों। बारिश के कारण स्थिति और विकट हो गई है।

सड़ांध मारते कचरे के कारण अब शहर में बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। दीपावली नजदीक आ चुकी है लेकिन शहर की सफाई होने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार 1.5 करोड़ आबादी वाले इस शहर में हर रोज लगभग 4000 टन कचरा निकलता है, लेकिन बीबीएमपी के सफाईकर्मी इसका सही ढंग से निस्तारण नहीं कर पा रहे। पिछले कई सप्ताह से सड़कों के किनारे जहां- 11/6/2015 , :DigitalEdition



दिल्ली में बारिश से जाम

नई दिल्ली . देश की राजधानी दिल्ली में गुरुवार सुबह अलग-अलग हिस्सों में पड़ी बारिश की फुहारें ट्रैफिक जाम का सबब बन गईं। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 19.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नोएडा सेक्टर 16 स्थित अपने ऑफिस के लिए निकले मनोज मिश्रा ने कहा, 'बारिश के चलते नोएडा सेक्टर-71 के ट्रैफिक सिग्नल पर जाम था। जाम की वजह से ऑफिस पहुंचने में देरी हुई। मुझे सिग्नल पर करीब 10 मिनट रुकना पडा।'

newsbrief

उत्तर भारत में ठंड की दस्तक, पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी

नर्ड दिल्ली. देश की राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के अधिकतर राज्यों में ठंड ने दस्तक दे दी है। पहाडी राज्यों उत्तराखंड. हिमाचल प्रदेश व जम्म-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में गुरुवार को बर्फबारी हुई। इसका असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिला। दिल्ली में गुरुवार को सुबह अलग-अलग हिस्सों में बारिश हुई। अन्य राज्यों में भी आंशिक रूप से बादल छाए रहे। जम्म-कश्मीर में भारी बारिश और बर्फबारी की वजह से जम्मू-श्रीनगर, श्रीनगर-लेह और कुछ अन्य राजमार्ग बंद कर दिए गए हैं। राजमार्ग पर बधवार को कश्मीर घाटी में सप्लाई करने वाले टक और यात्री वाहन सहित करीब 500 वाहन फंस गए। इसके अतिरिक्त श्रीनगर-लेह राजमार्ग के जोजिला दर्रा इलाके में भी हिमपात हुआ है। हिमाचल प्रदेश में अधिकारियों ने लोगों को मनाली शहर को लाहौल घाटी से जोडने वाले रोहतांग दर्रे से यात्रा न करने की सलाह दी है, यहां भारी बर्फबारी की आशंका है।

गंगा के किनारे 2 मीटर में बफर जोन बनाने का निर्देश

नई दिल्ली . गंगा के किनारे अंधाध्ंध हो रहे अवैध निर्माण को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने उत्तराखंड को गोमख से हरिद्वार तक गंगा के किनारे 200 मीटर का बफर जोन बनाने का निर्देश दिया है। एनजीटी ने गुरुवार को अपने आदेश में कहा कि यह बफर जोन उस क्षेत्र में होना चाहिए जहां बाढ की स्थिति में गंगा नदी का जलस्तर अधिकतम स्तर तक जाता है। न्यायाधिकरण की न्यायमर्ति स्वतंत्र कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा है कि नया बफर जोन वह क्षेत्र होगा जहां किसी भी तरह के निर्माण पुरी तरह प्रतिबंधित होंगे। पीठ ने एक अधिवक्ता एमसी मेहता की गंगा सफाई पर दायर याचिका पर सुनवाई के बाद यह ,:DigitalEdition

आदेश पारित किया। याचिका में न्यायाधिकरण को सुझाव दिया गया था कि अमेरिका और आस्ट्रेलिया जैसे पश्चिमी देशों में नदियों के किनारे बफर जोन बनाकर उन्हें प्रदूषण से बचाया जाता है। इन क्षेत्रों में किसी भी तरह के निर्माण की इजाजत नहीं होती। याचिका में यह सुझाव भी दिया गया था कि राष्ट्रीय गंगा नदी घाटी प्राधिकरण को चाहिए कि वह हरिद्वार से कानपुर तक गंगा के किनारे के एक किमी. क्षेत्र को भी बफर जोन घोषित करे।



The Srinagar-Jammu highway.

HT FILE PHOTO/WASEEM ANDRABI

Mega power and highway projects on Modi's J&K agenda

Moushumi Das Gupta

NEW DELHI: Keeping his promise to give infrastructure development in Jammu & Kashmir a hard push, Prime Minister Narendra Modi on Saturday will lay the foundation of a crucial road link to bring Srinagar closer to the rest of the country and launch a 450 MW hydel power to light up homes and industries

in the state. Modi would lay the foundation stone of the four-laning of the 72km highway stretch between Udhampur-Ramban and Ramban-Banihal, a part of the of the strategically important 229km National Highway-1A. This is the only road connecting Srinagar with Jammu and the rest of India.

"The strategic road link is the lifeline between Jammu and Srinagar and will be completed within two-and-a-half years. Once complete, it would reduce the travel time between Jammu and Srinagar to four hours from the current nine hours," NHAI chairman Raghav Chandra said. Work on the four-laning of the remaining stretch on NH-1A is already under progress

Built as an all-weather road, the

The strategic road link is the lifeline between Jammu and Srinagar and once complete, it would reduce the travel time between Jammu and Srinagar to four hours from the current nine hours.

RAGHAV CHANDRA, NHAI chairman

highway will be open round the year. Currently, parts of the existing highway have to be closed every winter due to heavy snowfall and avalanches cutting off Srinagar from Jammu and the rest of India.

The power-starved state would also get a boost with the inauguration of the second phase of the 900 MW Baglihar hydel power project. In 2008, Modi's predeces sor, former PM Manmohan Singh, had inaugurated the first phase of the power plant.

The two projects, with a com-bined cost of ₹7,419 crore, could give a big boost to the economy of the state, affected by militancy for more than 25 years

http://paper.hindustantimes.com/epaper/services/OnlinePrintHandler.ashx?issue=8933201511060000000001001&page=12&paper=A4&top=694&left=101...

बारिश ने बढ़ाई दिल्ली में ठंड 10 नवंबर को लौटेंगे बादल

नगर संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली में गुरुवार को सुबह के वक्त कई इलाकों में बारिश हुई। जिससे तापमान गिर गया। मैक्सिमम टेंपरेचर नॉर्मल से तीन डिग्री सेल्सियस गिरकर 27.5 डिग्री तक जा पहुंचा। वहीं मिनिमम टेंपरेचर नॉर्मल से पांच डिग्री सेल्सियस ज्यादा के साथ 19.7 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा है कि आने वाले दिनों तक मौसम ऐसा ही रहने वाला है। सबह के वक्त ठंडी हवाएं चल सकती हैं। वहीं 10 नवंबर को भी बादल बरस सकते हैं।

गुरुवार को सुबह 6 बजे से ही कुछ इलाकों में हल्की बारिश होनी शुरू हो गई थी। इसकी वजह से मैक्सिमम ह्यमिडिटी 91 पसेंट और मिनिमम ह्यमिडिटी 83 पसेंट तक जा पहुंची। गुरुवार को दिल्ली रिज एरिया में मैक्सिमम टेंपरेचर इस सीजन का सबसे कम दर्ज हुआ। दिल्ली रिज में मैक्सिमम टेंपरेचर नॉर्मल से 6 डिग्री सेल्सियस तक गिरकर 24.7 डिग्री तक जा पहुंचा। सफदरजंग में 1 मिमी, पालम में 0.6, लीदी रोड में 1.5 और रिज में 1.6 मिमी बारिश दर्ज हुई। साउथ दिल्ली और नॉर्थ दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में बारिश



गुरुवार को दिल्ली के कई इलाकों में बारिश हुई, कुछ इस तरह बाहर निकले लोग

कि शुक्रवार को आसमान में बादल छाए रह सकते हैं। हल्की धुंध भी छा सकती है। मैक्सिमम टेंपरेचर 29 डिग्री और मिनिमम टेंपरेचर 19 डिग्री रहने का अनुमान है। वहीं 10 नवंबर को एक बार फिर बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि इस हफ्ते बादल छाए रह सकते हैं। मैक्सिमम मौसम विभाग ने अपने बुलेटिन में कहा टेंपरेचर 30 डिग्री और मिनिमम टेंपरेचर

18 से 19 डिग्री के आसपास रहने की उम्मीद है। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि अभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से दिल्ली में हल्की बारिश हुई है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हुई है। अब आने वाले दिनों में पहाड़ी इलाकों से ठंडी हवाएं दिल्ली जैसे मैदानी इलाकों की तरफ दस्तक देंगी। जिससे ठंडक बढेगी।

बारिश भी नहीं दिला सकी पॉल्यूशन से राहत

🔳 पीटीआई, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में गुरुवार को हुई छिटपुट बारिश के बावजूद एयर पॉल्यशन के खतरनाक लेवल से राहत नहीं मिल पाई है। दिल्ली के कई इलाकों में पार्टिकलेट मैटर का लेवल तय सीमा में काफी ज्यादा दर्ज किया गया और यहां की एयर क्वॉलिटी को 'बेहद खराब' मापा गया है। पहले से आशंका थी कि गुरुवार को राजधानी 2.5 और 10 में एयर पॉल्युशन अपने सबसे ऊंचे लेवल पर का लेवल नॉर्मल रह सकता है।

सिस्टम ऑफ एयर किया गया दर्ज एंड वेदर क्वॉलिटी फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) के बेहद सघन इलाकों में स्थित स्टेशनों जैसे दिल्ली यूनिवर्सिटी, पीतमपुरा व आईजीआई एयरपोर्ट के अलावा धीरपुर जैसे दूर-दराज के इलाकों में भी हवा में पॉल्युटेंट्स का लेवल बेहद खतरनाक स्तर पर दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) 2.5 का सामान्य लेवल 60 जबकि पीएम 10 का नॉर्मल लेवल 100

होता है। अगर हवा में पॉल्युटेंट्स की मात्रा इस लेवल से ज्यादा है तो इसका हमारे रेस्पेरेटरी सिस्टम (श्वसन तंत्र) पर बरा असर पडता है।

गुरुवार को राजधानी में जहां-तहां बारिश होने के बावजूद दोपहर होते-होते पीएम 2.5 और 10 दोनों के ही पैमाने पर पार्टिकलेट मैटर की क्वॉलिटी खतरनाक लेवल पर पहुंच गई। पीएम का बढ़ा हुआ लेवल फेफडों में गहरे तक असर डाल सकता है। एयर

पॉल्यूशन का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि डीयू और इसके से कई गुना ज्यादा आसपास के इलाकों में पीएम 2.5 का लेवल 357 जबिक पीएम 10 का लेवल

301 पर पहुंच गया। इसी दौरान नॉर्थ वेस्ट दिल्ली के पीतमपुरा में पीएम 2.5 का लेवल 302 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर और पीएम 10 का लेवल 271 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर दर्ज किया गया। वहीं धीरपुर में पीएम 2.5 का लेवल 325 और पीएम 10 का लेवल 340 दर्ज किया गया।

Printed from
THE TIMES OF INDIA

Seal hand pumps releasing impure water, orders NGT

Sharmila Bhowmick,TNN | Nov 6, 2015, 04.22 AM IST

NOIDA: The National Green Tribunal (NGT) on Thursday directed the UP Jal Nigam to seal all hand pumps releasing contaminated groundwater in Ghaziabad and five other districts of western Uttar Pradesh, saying that it was the state government's fundamental duty to look after the health of residents.

"We direct the Uttar Pradesh Jal Nigam to forthwith seal the hand pumps of all western UP districts which are releasing contaminated ground water," a bench headed by NGT chairperson Swatanter Kumar said.

The NGT was hearing a petition filed by C V Singh, a retired scientist from the Haryana pollution control board. The petition said the consumption of contaminated water has caused the death of more than 50 villagers in Ghaziabad, in the past one year because of cancer.

The green court has constituted a committee comprising officers of the Central Pollution Control Board (CPCB), Uttar Pradesh Pollution Control Board (UPPCB) and Uttar Pradesh Jal Nigam, to inspect, analyse and submit a report with relevant data on the extent of groundwater contamination in Ghaziabad, Shamli, Saharanpur, Meerut, Baghpat and Muzaffarnagar.

The NGT also directed the state government, its various authorities and district magistrates to provide potable water to the villagers in these districts. It also directed the district magistrates, subdivisional magistrates and the CEO of UP Jal Nigam to maintain "due record" of the potable water that shall be provided to these villages.

Officials have been told that the vehicles providing potable water must have GPS systems installed in them so that one can track their route from the water source to the distribution point. The NGT has also directed the appointed committee to find out a solution to stop groundwater contamination and to preserve the level in these areas. The report has to be submitted within three months. The next date of hearing is January 12, 2016.

Stay updated on the go with Times of India News App. Click here to download it for your device.

Post a comment

FROM AROUND THE	ROM AROUND THE WEB					
MORE FROM THE T	IMES OF INDIA					
			Pacommended By Colomb			

Recommended By Colombia

FROM AROUND THE WEB

MORE FROM THE TIMES OF INDIA

Recommended By Colombia

THE TIMES OF INDIA Powered by INDIATIMES	About us Privacy policy Newsletter Sitemap	Advertise Feedbac TOI Mob Archives	k ile	Terms of Use and Grievance Redressal Policy RSS ePaper
Other Times Group news sites The Economic Times इकनॉमिक टाइम्स ઈકોનોપિક ટાઈમ્સ Pune Mirror Bangalore Mirror Ahmedabad Mirror ItsMyAscent Education Times Brand Capital Mumbai Mirror Times Now Indiatimes नवभारत टाइम्स महाराष्ट्र टाइम्स ವಿಜಯ ಕರ್ನಾಟಕ Go Green NavGujarat Samay	iving and entertainment imescity iDiva Entertainment Zoom uxpresso Gadget Reviews Online Songs iterest Network mes	Hot on the Web World Politics Business Sports Entertainment New Cars Xiaomi Mobile Motorola Mobile	Services Book print ads Online shopping Matrimonial Astrology Jobs Tech Community Property Buy car Bikes in India Free Classifieds Send money to India Used Cars Restaurants in Delhi Movie Show Timings in Mumbai Remit to India Buy Mobiles Listen Songs Real Estate Developers Trending Topics Samsung Mobile Micromax Mobile You Tube Delhi Travel Guide Katrina Kaif Photos Sony Mobile Hindi Songs Horoscope 2015 Predictions Asus Mobile Facebook Sunny Leone Photos Hindi News	

Like Share { 0

The Times of India

Title: NGT bars construction on Ganga banks in U'khand

Author: Sharma Seema

Location: Dehradun:

Article Date: 11/06/2015

The National Green Tribunal on Thursday virtually barred construction of buildings 200 metres along the banks of the Ganga in Uttarakhand till further orders to protect pollutants from being discharged into the river.

"We direct that no corporation, authority or panchayat shall grant permission for construction of building, houses, hotels or any structures within 200 metres of shore of river Ganga at the highest flood line without prior approval from the tribunal," a bench headed by NGT chairperson Swatanter Kumar said.

The panel's direction came on a petition filed by advocate M C Mehta who sug gested that in Western countries rivers are protected from pollution by creating a buffer zone on the banks where no construction is allowed.

Mehta contended that rapid unregulated constructions were being carried out by sim ply taking clearances from village panchayats, which are not expert bodies. He added that due to such unregulated constructions, pollutants were discharged in the Ganga and the hills have become vulnerable to landslides and earthquake. Green activists in the state, however, were a tad sceptical, saying various such orders were passed earlier too but there was lack of po itical will to implement them. Environmentalist Ravi Chopra said, "After the 2013 deluge, then CM Vijay Bahuguna had also ordered against construction within 200 metres of Ganga banks. Var ious court orders, too, had been issued. But till date, no efforts have been made to implement them. This order might meet the same fate "

The NGT bench on Thursday also sought a report, prepared by seven IITs, from the ministry of water resources on the shortcoming of Ganga Action Plan (GAP)-1 and Plan-2.

Seal handpumps spewing contaminated water, UP told

The National Green Tribunal (NGT) on Thursday directed the Uttar Pradesh government to permanently seal all the contaminated water-spewing handpumps in six districts of western UP - Meerut, Baghpat, Shamli, Muzaffarnagar, Ghaziabad and Saharanpur -within three months.

The NGT bench headed by Justice Swatanter Kumar also ordered the DMs, SDMs, regional offices of pollution control board and CEO of UP Jal Nigam to provide potable drinking water to those villages with contaminated groundwater with immediate effect and reprimanded the government for not providing drinking water to its citizens.

Justice Swatanter Kumar further stated that global positioning system must be installed in all water tankers employed to provide the potable water and record of their movement should be maintained by the authorities. The order came on a PIL filed by Doaba Paryavaran Samiti (DPS), an NGO, which had last year highlighted the sorry state of affairs in the western UP villages where people residing on the banks of highly polluted rivers Hindon, Krishna and Kali had over the years developed degenerative diseases and cancer. Sandeep Rai



The panel's direction barring construction of buildings 200 metres along the Ganga's banks came on a petition filed by advocate M C Mehta



















संरक्षित वन की तर्ज पर नदियां सुरक्षित होंगी

नर्ड दिल्ली पंकज कमार पाण्डेय

उत्तराखंड की नदियों को संरक्षित वन की तर्ज पर सरक्षित बनाया जाएगा। प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में होने वाले नकसान से बचने के लिए राज्य में मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम, एयर स्टिप्स और हेलीपोर्ट (छोटे बंदरगाह) का नेटवर्क बनाने के साथ ही पर्याप्त संख्या में एयर एंबुलेंस की व्यवस्था करने सहित कई अन्य कदम भी जल्द उठाए जाएंगे।

केंद्र सरकार ने उत्तराखंड के लिए छह सुत्रीय कार्यक्रम तैयार किया है। इस कार्यक्रम पर केंद्र व राज्य सरकार को मिलकर काम करना है। राज्य में

ऐसे गोदामों का नेटवर्क बनाने की भी योजना है जिसमें आश्रय स्थल भी हों। गृहमंत्रालय तय कार्यक्रम पर जल्द ही राज्य सरकार के साथ बैठक करके योजना के क्रियान्वयन की रूपरेखा तय

नदियों की सुरक्षा पर ध्यानः छह सत्रीय कार्यक्रम के तहत नदी तल सामग्री (रिवर बेड मैटेरियल) को निकालने के लिए वैज्ञानिक तरीकों का पालन करने के लिए कमेटी बनाकर निगरानी करने को कहा गया है। गहमंत्रालय उत्तराखंड की नदियों को संरक्षित वन की तरह सुरक्षित करने के सझाव पर भी सख्ती से अमल करने के

ये उपकरण और बर्ढेंगे

वायरलेस सेटेलाइट व हैम कम्युनिकेशन उपकरणों की संख्या बढाने और उच्च क्षमता के कम्प्यटर. डाप्लर राडार और स्वचालित मौसम स्टेशन स्थापित करने को योजना में प्राथमिकता दी गई है। गृहंमत्रालय के सूत्रों ने कहा कि इनमें से कुछ चीजों पर काम पहले से चल रहा है लेकिन हम समग्र तरीके से योजना को क्रियान्वित करने के लिए राज्य को सहयोग देंगे।

जिला स्तर पर आपदा फंड

राज्य में जिला स्तर पर आपदा राहत फंड का इंतजाम भी किया जाएगा। ग्राम स्तर पर आपदा प्रबंधन समितियां बनाने को भी कहा गया है। केंद्र चाहता है कि राज्य स्तर पर आपदा प्रबंधन समितियां मजबती से काम करें। इसके लिए केंद्र प्रशिक्षण देगा।



पीएमओ राज्य के प्रस्ताव को प्राथमिकता देगा

पिछले दिनों प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदा जैसी स्थितियों से निपटने के संबंध में राज्य के मुख्य सचिव से विचार विमर्श किया था। राज्य सरकार की ओर से आने वाले सझावों और प्रस्तावों को पीएमओ ने प्राथमिकता के तौर पर देखने को कहा है।























दिल्ली के कई इलाकों में गुरुवार सुबह बारिश हुई। इस दौरान ऑफिस जाने वालों को छाता लेकर निकलना पड़ा। • अरविंद यादव

सर्द दिवाली के लिए तैयार रहें

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

दिवाली के दिन राजधानी कोहरे की चादर में लिपटी नजर आएगी और ठंड भी बढ़ेगी। साथ ही हल्की बारिश दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग की मानें तो 06 नवंबर तक दो पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना है। ऐसे में इसका असर खत्म होने के बाद दिल्ली में तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है।

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते दिवाली तक अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस के करीब

आज हवा में प्रदूषण का स्तर और बढ़ जाएगा

दिल्ली में गुरुवार को हुई बारिश से भी प्रदूषण के स्तर में विशेष कमी नहीं आयी। शाम तक हवा में प्रदूषण का स्तर मानकों से तीन गुना से अधिक दर्ज किया गया। राजधानी में प्रदूषण के स्तर पर नजर रखने वाली पृथ्वी मंत्रालय की संस्था सफर के अनुसार, शुक्रवार को हवा में प्रदूषण का स्तर और बढ़ेगा। गुरुवार को हवा में पीएम 2.5 का स्तर 200 माइक्रोग्राम प्रति क्युबिक मीटर दर्ज किया गया। मानकों के तहत हवा में इसका स्तर 60 माइक्रोग्राम प्रति वयुबिक मीटर से अधिक नहीं होना चाहिए।

पहुंचने की संभावना है।

मौसम वैज्ञानिक बीपी यादव ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव पहाडों में अधिक रहेगा। विक्षोभ के प्रभाव के चलते गुरुवार को सुबह के दौरान दिल्ली के कई इलाकों में बारिश दर्ज की गई। हवा में आर्द्रता का

अधिकतम स्तर ९१ प्रतिशत दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान २७.५ डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम है। वहीं, न्युनतम तापमान 19.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस अधिक है।















200 मीटर के दायरे में निर्माण पर एनजीटी ने रोक लगाई

गंगा किनारे निर्माण नहीं

स्वच्छता

नई दिल्ली विशेष संवाददाता

गंगा सफाई के मुद्दे पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने गुरुवार को उत्तराखंड सरकार को गंगा के दो सौ मीटर तक कोई निर्माण नहीं करने का निर्देश जारी किया है।

एनजीटी ने कहा है कि जब तक गंगा के मुद्दे पर अधिकरण फैसला नहीं देता, तब तक राज्य का कोई भी निगम, प्राधिकरण और पंचायत नदी के दो सौ मीटर तक निर्माण कराने की अनुमति नहीं देगा। शीर्ष डूब क्षेत्र में भी बिना अधिकरण की अनुमति के किसी भी तरह के निर्माण की मंजूरी नहीं दी जाए। जस्टिस स्वतंतर कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह निर्देश पर्यावरणविद् एम.सी. मेहता के सुझाव पर जारी किया।



सातों आईआईटी के सुझावों पर एनजीटी गौर करेगा

जस्टिस स्वतंतर कुमार ने सातों आईआईटी की ओर से मंत्रालय को पेश किए गए महत्वपूर्ण सुझावों पर भी गौर करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में मंत्रालय को आईआईटी समिति की रिपोर्ट देने को कहा है। याद रहे कि आईआईटी ने गंगा की सफाई के लिए कई सुझाव दिए हैं।